Newspaper Coverages and Releases

एमएसएमइ में वेंडर डेवलपमेंट प्रोग्राम

रांची. एमएसएमइ विकास संस्थान, रांची के तत्वावधान में बुधवार को कोकर इंडस्ट्रियल एरिया स्थित कार्यालय में राज्य स्तरीय वेंडर डेवलपमेंट प्रोग्राम का आयोजन किया गया. मौके पर एमएसएमइ विकास संस्थान, रांची के निदेशक आरके कपूर ने कहा कि कार्यक्रम का उद्देश्य स्थानीय उद्यमियों को भारत सरकार की पब्लिक प्रोक्योरमेंट पॉलिसी की विस्तृत जानकारी देना था. भारत सरकार के सभी प्रतिष्ठानों द्वारा खरीदी जाने वाली कुल खरीदारी का 20 प्रतिशत केवल सूक्ष्म व लघु उद्योगों से करनी है. वहीं इस खरीदारी का चार प्रतिशत खरीदारी केवल अनुसूचित जनजाति/जाति के उद्यमियों से करनी है. इस समय 358 ऐसे उत्पाद सूची में हैं, जिनकी खरीदारी इन उद्योगों से करनी है. बीएसएनएल, रांची के डीजीएम अली एहतेशाम ने उद्यमियों से अधिक-से-अधिक टेंडर भरने का आह्वान किया. इस अवसर पर इंचार्ज आरके लाभ, होटल अशोक के डीडी ठाकुर, संदीप सिंह सहित कई उद्यमी उपस्थित थे.

प्रभात खबर
Thu, 02 March 2017
epaper.prabhatkhabar.com/c/1724

आप इनोवेटिव आइडिया सोचें, उसे हम साकार करेंगे : निदेशक

लाइफ रिपोर्टर @ रांची

केंद्र सरकार के सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम मंत्रालय द्वारा संचालित इंक्यूबेटर योजना को लेकर सोमवार को सीआइटी में एमएसएमइ डेवलपमेंट इंस्टीट्यूट, कोकर द्वारा जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया. संस्थान के निदेशक आरके कपूर, सहायक निदेशक नीतू और सुदीप पॉल ने अंतिम वर्ष के विद्यार्थियों और शिक्षकों को योजना की जानकारी दी. सपोर्ट फॉर इंटरप्रेन्योरियल एंड मैनेजेरियल डेवलपमेंट ऑफ एसएमइज थ्रू इंक्यूबेटर नामक जागरूकता कार्यक्रम को संबोधित करते हुए श्री कपूर ने कहा कि आप इनोवेटिव आइडियाज सोचें उसे हम साकार करेंगे. ताकि उसका बाजारीकरण संभव हो. प्राचार्य डा एसके सिंह ने कहा कि वर्तमान समय में नौकरी के बजाय इंटरप्रेन्योरशिप बेहतर विकल्प है. उन्होंने विभाग के अधिकारियों से सीआइटी में इंक्यूबेटर सेंटर स्थापित करने का आग्रह किया. निदेशक ने कागजी कार्यवाही पूरा करने का निर्देश दिया.

■ **सीआइटी में जागरूकता कार्यक्रम**

कार्यक्रम में शामिल अतिथि

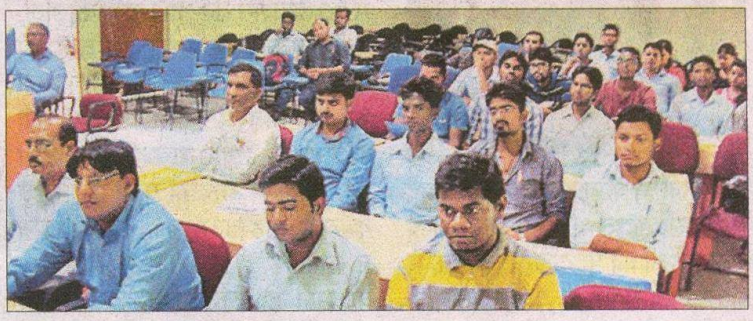

यह है इंक्यूबेटर योजना

इस योजना के तहत विभाग नये उद्यमियों को उनके इनोवेटिव आइडियाज को मूर्त रूप देने में हर प्रकार का मदद उपलब्ध कराता है. इसके लिए विभाग प्रतिष्ठित तकनीकी शिक्षण संस्थानों को इंक्यूबेटर सेंटर के रूप विकसित कर उसके संसाधनों का उपयोग इंटरप्रेन्योर को लाभ पहुंचाने में करता है. मौके पर डीन फेकल्टी डॉ ए भट्टाचार्या, को-ऑर्डिनेटर अंकित कुमार सिंह, टिक्यूप के नोडल ऑफिसर केपी दत्ता आदि मुख्य रूप से उपस्थित थे.

एनआइटी में बनेगा इंक्यूबेटर

आदित्यपुर. एनआइटी जमशेदपुर के छात्र-छात्राओं की आइडिया को संरक्षण देकर उसे सूक्ष्म या लघु उद्योग में परिवर्तित करने के लिए एमएसएमइ इंक्यूबेटर की स्थापना की जायेगी. केंद्र सरकार की इस इंक्यूबेटर योजना के तहत शनिवार को यहां जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया. संस्थान के छात्र-छात्राओं को योजना की जानकारी देने आये एमएसएमइ डेवलपमेंट इंस्टीच्यूट रांची के निदेशक आरके कपूर ने बताया कि जो छात्र कुछ करना चाहते हैं, उन्हें अपनी आइडिया (योजना) पर प्रोजेक्ट बनाना है. उस पर काम करने के लिए 4 से 8 लाख रुपये का अनुदान दिया जायेगा. यह काम छात्र पढ़ाई के साथ या इसके बाद कर सकता है. आइडिया पारित होने के बाद योजना की 15 प्रतिशत राशि स्वयं लगानी होगी. एक इंक्यूबेटर में 10 प्रोजेक्ट होंगे और कुल 62.5 लाख रुपये दिये जायेंगे. इसके साथ ही संस्थान में आधारभूत संरचना के विकास के लिए 4 लाख रुपये देने का प्रावधान है. छात्रों के प्रोजेक्ट देखने के बाद दिल्ली की कमेटी इंक्यूबेटर को पारित करेगा.

राज्य में बने सिर्फ दो इंक्यूबेटर

झारखंड में अबतक दो इंक्यूबेटर का गठन हो चुका है. इसमें आइएसएम धनबाद व मैनेजमेंट स्टडीज रिसर्च सेंटर बोकारो में इंक्यूबेटर का गठन किया जा चुका है. एक संस्थान में दस से अधिक प्रोजेक्ट स्वीकृत होने पर दो इंक्यूबेटर गठित होंगे. एमआइटी मेरठ में इस तरह के दो इंक्यूबेटर बनाये गये हैं.

दैनिक वेतनभोगियों मिला कायदिश

आदित्यपुर. एनआइटी जमशेदपुर में काम से बैठाये गये 18 दैनिक वेतनभोगी कर्मचारियों द्वारा गठित सोसायटी को किये गये करारनामा के आधार पर कायदिश जारी किया गया है. यह जानकारी देते हुए संस्थान के रजिस्ट्रार प्रो एमके अग्रवाल ने बताया कि सोसायटी के 18 लोगों को तीन साल के लिए सुरक्षाकर्मी का काम दिया जायेगा. प्रत्येक साल इनके काम की समीक्षा होगी. इन कर्मचारियों की उम्र 60 साल से अधिक होने पर काम नहीं दिया जायेगा. सोसायटी को इएसआइ, पीएफ, लेबर आदि का लाइसेंस प्रस्तुत करना है और कर्मचारियों को पोशाक देना है. संस्थान प्रबंधन सोसायटी को प्रत्येक कर्मचारी को नियमानुसार न्यूनतम मजदूरी 347 रुपये प्रतिदिन की दर से भुगतान करेगा. प्रत्येक माह के 5 तारीख को बिल जमा होने के बाद 10 तारीख को यह भुगतान कर्मचारियों के बैंक खाता में होगा. संस्थान के सुरक्षा अधिकारी उक्त कर्मचारियों का काम तय करेंगे.

प्रभात खबर
Sun, 11 September 2016
epaper.prabhatkhabar.com/c/13133265

आइडीटीआर : इंक्यूबेटर योजना के तहत इंफ्रास्ट्रक्चर तैयार होगा

लघु उद्योगों को मिलेगा लाभ

आदित्यपुर. एमएसएमइ विकास संस्थान रांची के तत्वावधान में इंडो डेनिश टूल रूम में औद्योगिक विकास के लिए इंक्यूबेटर योजना पर कार्यशाला का आयोजन किया गया. इसमें एमएसएमइ विकास संस्थान रांची के निदेशक आरके कपूर ने बताया कि एमएसएमइ द्वारा इच्छुक लोगों को उद्योग लगाने में इस योजना के तहत मदद की जायेगी. उन्होंने टूल रूम प्रबंधन से इंक्युबेटर लगाने की अपील की. इसके लिए आधारभूत संरचना तैयार करने के लिए एमएसएमइ द्वारा संस्थान को चार लाख रुपये व दस छात्रों को उनके नए आइडिया के लिए 62.5 लाख रुपए देने का प्रावधान है. बनाये गये प्रोजेक्ट को स्क्रीनिंग कमेटी के पास भेजा जायेगा. वहां से स्वीकृति मिलने पर राशि उपलब्ध करायी जायेगी. इस योजना से इस क्षेत्र के सूक्ष्म व लघु उद्योगों को काफी लाभ होगा. डीजीएम आषुतोश कुमार ने छात्रों को प्रतिस्पर्धा से हट कर अपने नये आइडिया के अनुसार इंफ्रास्ट्रक्चर तैयार कर कुछ अलग करने की सलाह दी. टूल रूम के एमडी एसएस कोहली ने भी छात्र-छात्रओं की हौसला बढ़ाया. इस अवसर पर एमएसएमई विकास संस्थान के सहायक निदेशक आरआर पाठक, सुदीप पाल समेत टूल रूम के मैनेजर ट्रेनिंग रतन दास गुप्ता, सुमित सिंह, नवीन कुमार समेत अन्य अधिकारी व छात्र-छात्राएं उपस्थित थे.

आइडीटीआर के कार्यक्रम में शामिल अतिथि व अन्य.

प्रभात खबर
Fri, 02 September 2016
epaper.prabhatkhabar.com/c/12933661